धरो मन मुरत कृष्ण काले की

ॐ श्री सत्नाम साक्षी
भजन तर्ज़ - रेशमी सलवार कुर्ता जाली का

धारो मन मूरत कृष्ण काले की,
गोवर्धनधारी मुरली वाले की...

1. जांके कुण्डलों की छबि भारी
मोर मुकुट की झलक न्यारी ।
उर माल बैजन्ती धारी,
मोहिनी मूरत लगे प्यारी ।
जगत उजियाले की,
गोवर्धनधारी मुरली वाले की...

2. जांके नूपर छम छम बाजे
देख रूप चन्दमा लाजे ।
मुरली की सुन आवाज़े
तज काम गोपियों भाजे ।
ब्रज रखवाले की,
गोवर्धनधारी मुरली वाले की...

3. कटि काछनी सुन्दर सोहे ,
पीताम्बर मन को मोहे ।
यह ध्यान पाप सब खाये,
कहे टेऊँ मैल को धोये ।
नाथ नन्दलाले की,
गोवर्धनधारी मुरली वाले की...

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1682/title/dharo-mann-murat-krishan-kale-ki-govardhan-dhari-murli-wale-ki

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |